आज का सुविचार

संघर्ष ही जीवन का सार है, जो संघर्ष करता है वही सफलता प्राप्त करता है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 72 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 20 जून 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

म्युचुअल अंडरस्टैंडिंग पर बच्चा गोद लेना और देना कितना बड़ा अपराध है, जानिए JJ Act,2015

अधिनियम के अध्याय 8 में दत्तक ग्रहण संबंधित कुछ नियम बताए गए हैं जैसे कि बालकों को किस दशा में गोद लिया जा सकता है। गोद लेने वाले माता-पिता दोनों की सहमति आवश्यक है। किसी अन्य परिस्थिति में माता स्वंय एकल दत्तक ग्रहण कर सकती है लेकिन किसी भी पुरूष एकल को बालक गोद नहीं दिया जाएगा। अधिनियम के अनुसार अगर कोई व्यक्ति बाल कल्याण समिति के सिवाय (छोड़कर) बालक गोद लेता है तब उसे विधिक प्रक्रिया अपनाना आवश्यक है, अन्यथा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया अमान्य होगी अगर कोई बालक गोद लेने वाले व्यक्ति दत्तक ग्रहण का विधिक पालन नहीं करता है तब उन पर क्या कार्यवाही हो सकती है जानिए।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 80 की परिभाषा

यदि कोई व्यक्ति या कोई संस्था, संगठन, किसी अनाथ बालक को, लावारिस बालक को या बाल कल्याण संस्था में छोड़े बालक को या कोई व्यक्ति अन्य व्यक्तिगत प्रक्रिया से विधिक नियमों को उल्लंघन बालक को गोद देता है या बिना विधिक प्रक्रिया के कोई व्यक्ति बालक को गोद लेता है तब ऐसे व्यक्ति को या संगठन को अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या एक लाख रुपए जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

विशेष नोट- यह धारा दत्तक पुत्र देने वाले व्यक्ति पर एवं दत्तक पुत्र लेने वाले व्यक्ति पर दोनों पर लागू होगी।

सीमा की रक्षा करने वाले जवानों और अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 266 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार देश की सीमा पर जान की बाजी लगाने वाले और सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों तथा खेतों में कड़ी मेहनत कर अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार कमजोर और गरीब वर्ग की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले के बेड़िया में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत अम्बा-रोडिया माइक्रो उदवहन सिंचाई योजना का लोकार्पण सहित 266 करोड़ रुपए की लागत के 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। उन्होंने सिकलसेल के मरीजों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र तथा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा है और विश्व में देश का नाम हो रहा है। हमारी सरकार किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं की जिंदगी बदलने और उन्हें खुशहाल बनाने का काम कर रही है। निमाड़ क्षेत्र में मां नर्मदा का पानी खेतों तक पहुंचाया जा रहा है और इससे खेतों में फसले लहलहा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों को सम्मान निधि देने की योजना बनाई है और किसानों को इसका लाभ भी मिल रहा है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां गेहूं पर किसानों को प्रति क्विंटल 2600 रुपए दिए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार कृषि को प्रोत्साहन दे रही है और किसानों को उद्यमी बनने के लिए काम कर रही है।

BNS 240 - अपराध की झूठी सूचना देने वाले के लिए दंड प्रावधान - Legal Advice

अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध होने की सूचना पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को नहीं देता है तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 239 के अंतर्गत मामला दर्ज किया जाएगा, लेकिन यदि कोई व्यक्ति उसके सामने या जानकारी में घटित हुए अपराध की गलत सूचना देता है, तब उसके बीएनएस की एक अन्य धारा के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। जानिए-

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 240 की परिभाषा

अगर कोई व्यक्ति चाहे वह अपराध की सूचना देने के लिए बाध्य हो या ना हो, किसी घटित अपराध की झूठी, मिथ्या सूचना देगा वह व्यक्ति ब्नहस् की धारा 240 के अंतर्गत दोषी होगा।

इस अपराध के लिए आवश्यक तत्व निम्न है-

1. कोई अपराध घटित हुआ हो।
2. आरोपी व्यक्ति को उस अपराध की जानकारी हो और वह जानबूझकर कर झूठी सूचना दे रहा हो।
3. जब वह सूचना दे रहा है तब उसे ज्ञात होना चाहिए कि सूचना झूठी है।

Bharatiya Nyaya Sanhita Section 240- Provision of punishment

यह अपराध असंज्ञेय एवं यह जमानतीय अपराध होते हैं, अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध की एफआईआर भी दर्ज नहीं होती है, लेकिन पुलिस अधिकारी हृष्टक्र लिख सकती है, इस अपराध के लिए न्यायालय में परिवाद लगाया जा सकता है एवं सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है। इस अपराध के लिए अपराधी व्यक्ति को दो वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक- बी.आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

सिकल सेल उन्मूलन, सबके विश्वास, साथ और प्रयास से होगा : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए हम सबकी सक्रिय सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। राज्यपाल श्री पटेल विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रदेश की जनता के नाम संदेश और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर आधारित अभिनंदन-पत्र का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा वाचन किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनजाति जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व है।

युवाओं को किया आगे संघ ने , शहडोल संभाग के युवाओं की नियुक्ति हुई

कैलाश कुमार - सह संपादक
(युवा प्रदेश)

शहडोल/जयसिंहनगर। अहिरवार समाज संघ पूरे मध्यप्रदेश में कई सालों से सामाजिक कार्यों में निरंतर सेवाएं दे रहा है. संघ ने प्रदेश में हो रहे समाजिक भेदभाव का विरोध कर इन्हें समाप्त करने की बात भी समाजिक सेवकों के बीच रखता रहा है. अहिरवार समाज संघ इसी परिवर्तन के पहल को मजबूत करने के लिए अब युवाओं को भी अपनी विचारधारा से जोड़ रहा है. राजू राय और रामकुमार भी इसी की अगली कड़ी है। राजू राय और रामकुमार अहिरवार के बारे में आपको बता दें कि वह लंबे समय से जिले के सामाजिक/राजनीतिक क्षेत्र में हो रहे सभी गतिविधियों में शामिल भी रहे हैं. साथ ही उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के लिए हर तरह से प्रयास भी करते भी रहते हैं. युवाओं का कहना भी है कि जब तक युवा वर्ग समाजिक परिवर्तन के लिए आगे नही आएगा. तब तक समाजिक परिवर्तन की रफ्तार धीमी रहेगी. युवा वर्ग को सामाजिक/राजनीतिक न्याय व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास भी करते रहना पड़ेगा. कैलाश कुमार ने अपने जीवन का ज्यादा से ज्यादा समय समाज को दिया है. उनका ये भी कहना है कि अहिरवार समाज संघ के संस्थापक चौधरी अमन सिंह नरवरिया जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश अहिरवार जी के द्वारा अहिरवार समाज संघ ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, मैं उसे ईमानदारी और पूरी निष्ठा से निभाने की पूरी कोशिश करूंगा । शहडोल संभाग में अहिरवार समाज के लोगों को सामाजिक राजनीतिक चेतना के द्वारा जागरूक करता रहूंगा एवं कुरीतियों के खिलाफ जो संघ का नियम है उसका पालन करूंगा एवं समाज में उसकी महत्वता का प्रचार प्रसार करूंगा।

अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, वन विभाग व पुलिस ने तीन वाहन किए जब्त

संभागीय संवाददाता -राजू राय

जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ संयुक्त अभियान में वन विभाग और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को जब्त किया है। यह कार्रवाई वन संरक्षक अजय कुमार पाण्डेय और दक्षिण शहडोल वनमंडलाधिकारी श्रद्धा पन्द्रे के नेतृत्व में की गई।वन विभाग की पहली कार्रवाई गोहपारू वन परिक्षेत्र में की गई, जहां एक ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहा था। वन अमले को देखकर चालक मौके से फरार होने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट नहीं थी और उसमें अवैध रूप से रेत भरी हुई थी। वाहन को जब्त कर गोहपारू वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर में खड़ा किया गया है।दूसरी कार्रवाई में वन विभाग को शहडोल क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की सूचना मिली थी। बाणगंगा पेट्रोल पंप के पास एक वाहन को रोका गया। चालक ने रॉयल्टी पर्ची तो दिखाई, लेकिन जांच में वाहन का चेसिस नंबर अलग पाया गया। विभाग ने वाहन को जब्त कर नरसरहा डिपो में रखवा दिया है।तीसरी कार्रवाई जैतपुर थाना पुलिस ने की। पुलिस को कुनुक नदी से अवैध रेत उत्खनन की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को देख ट्रैक्टर चालक भाग गया। पुलिस ने रेत से भरे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और वाहन मालिक व चालक की तलाश जारी है। वन विभाग और पुलिस की यह संयुक्त कार्रवाई क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार पर सख्त संदेश देने वाली मानी जा रही है। विभागीय अधिकारी लगातार गश्त और निगरानी बढ़ा रहे हैं ताकि प्राकृतिक संसाधनों की अवैध दोहन पर अंकुश लगाया जा सके।

पुलिस को बड़ी सफलता,दो शातिर चोर गिरफ्तार आरोपीयों से छः लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात बरामद

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

दो चोरी की घटनाओं में जिनमें पहली 18 अप्रेल को गोपाल नगर पिपलानी में हुई रिपोर्ट अनुसार प्रकरण में सोने चांदी के जेवरात चोरी गये थे । तथा दूसरी घटना में 26 मई अयोध्या बायपास भोपाल में चोरी की रिपोर्ट हुई मामले में सोने की चैन दो सोने को झुमके दो सोने के छोटे टाप्स दो सोने की अंगूठी तीन चांदी की पायल चोरी गया था । दोनों वारदातों में अज्ञात आरोपीयों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 278/25 धारा 305 (ए),331(4) बीएनएस का कायम किया गया । कार्यवाही के अंतर्गत मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को रेल्वे स्टेशन भोपाल के पास से घेरावंदी कर गिरफ्तार किया गया । आरोपी ने पूछताछ पर बताया कि करीबन 2 महीना पहले अपने दोस्त के साथ गोपाल नगर पिपलानी के सूने मकान में रात करीबन 2 बजे मकान के गेट का ताला तोड़कर मकान के अंदर घुसकर कमरे में रखी गोदरेज आलमारी में रखे सोने, चांदी के जेवरात चोरी किये थे तथा करीबन 20-25 दिन पहले बालाजी नगर पिपलानी भोपाल से रात्रि में बंद मकान का ताला तोड़कर आलमारी से सोने चांदी के जेवरात जिसमें एक सोने की चैन, सोने की एक जोड़ छोटी बाली, दो सोने के छोटे टाप्स व चांदी के तीन जोड़ पायल व नगदी चोरी किये थे तथा हिकमत अमली से पूछताछ पर आरोपी द्वारा अन्य घटनाओं में शामिल होना भी स्वीकार किया है । आरोपी द्वारा बताए अनुसार चोरी का सामान जो लगभग छः लाख का है । अन्य घटनाओं में बरामदगी शेष है । आरोपी की पुलिस रिमाण्ड उपरांत बड़ी मात्रा में बरामदगी की पूरी संभावना है।

सायबर पुलिस की छात्राओं महिलाओं के अश्लील फोटो वीडियो बनाकर शोषण और ब्लैकमेलिंग से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

वर्तमान में जालसाजों या संगठित गिरोह द्वारा छात्राओं महिलाओं से यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामले में सामने आ रहे हैं, जिनमें महिलाओं को फर्जी प्रेम-जाल में फसाकर, उनके अश्लील अंतरंग वीडियो बनाकर यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग की जाती है। स्कूल कॉलेज जाने वाली, घर से बाहर रहकर पढ़ने वाली युवतियों एवं अकेली रहने वाली महिलाएं जालसाजों के निशाने पर हैं। जालसाज व्यक्ति निजी स्तर पर या संगठित गिरोह बनाकर इस प्रकार की युवतियों महिलाओं से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग आदि या सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करते हैं। जालसाज महंगी जीवनशैली और लग्ज़री गाड़ियों व इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं, इस प्रकार दिखावे के प्रलोभन में आकर युवतियां ऐसे लोगों की बातों में आकर इनसे दोस्ती कर लेती हैं। कई बार जालसाजों के गिरोह में इनके सहयोग के लिए महिलाएं भी होती हैं। शुरू में जालसाज का व्यवहार बेहद सहयोगात्मक एवं शराफत भरा होता है, जिससे ये युवतियों का विश्वास जीत लेते हैं। इसके बाद जालसाज युवतियों को पब, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबा इत्यादि जगहों पर ले जाकर लक्जरी जीवन शैली एवं नशे की लत लगवाकर नशे की हालत में इनका यौन शोषण करते हैं। ऐसे स्थान पर अधिकतर इनके गिरोह के सहयोगी सदस्य ही होते हैं, इन स्थानों पर छुपे हुए कैमरे लगे होते हैं। जालसाज आपत्तिजनक स्थितियों की अश्लील फोटो वीडियो बनाकर युवतियों को ब्लैकमेल करते हैं एवं गिरोह के अन्य सदस्यों से यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करते हैं। पीड़िताओं को सहेलियों एवं परिचित युवतियों को इनकी बताई

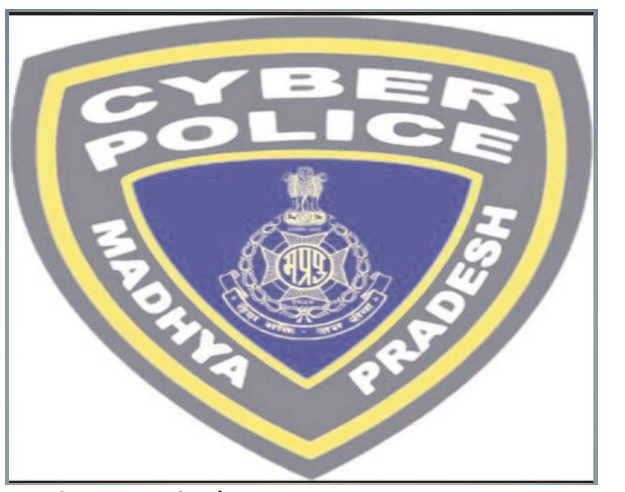

जगहों पर लाने के लिए मजबूर कर उनका भी जबरन यौन शोषण एवं इसी प्रकार ब्लैकमेलिंग करते हैं, जिससे कई युवतियां इनका शिकार हो जाती हैं। कुछ प्रकरण में महिलाओं पर जबरन शादी, धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया जाता है एवं इन्हें मानव तस्करी व देह व्यापार जैसे अनैतिक कार्य में भी धकेला जा सकता है। कुछ सावधानियां रखकर इससे बचा जा सकता है आपत्तिजनक अंतरंग फोटो वीडियो अपने मोबाइल में निर्मित संग्रहित न करें और न ही किसी को करने दें।सोशल मीडिया पर या स्कूल कॉलेज आदि में युवतियां महिलाएं बिना पूर्ण रूप से सत्यापित किए बिना किसी भी अनजान व्यक्ति से दोस्ती न करें। किसी व्यक्ति की लक्ज़री जीवन शैली के प्रलोभन में न आए ये दिखावा भी हो सकता है एवं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें। ऑनलाइन मित्र से एकांत में अकेले मिलने न जाएं। इस प्रकार के अपराध घटित होने पर शिकायत अपने नजदीकी पुलिस थाने में या www.cybercrime.gov.in या सायबर क्राइम हेल्प लाइन या टोल फ्री नम्बर 1930 पर तत्काल की जानी चाहिए।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट एमपीसीजेड मोबाइल एप हुआ लांच

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा अपने सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट MPCZ मोबाइल एप लॉन्च किया गया है। यह एप कंपनी के पोर्टल पर उपलब्ध क्यूआर कोड के माध्यम से और गूगल प्ले स्टोर से दिए गए लिंक https://play.google.com/store/apps/details?id=com.mpcz.consumerapp को ओपन करके भी डाउनलोड किया जा सकता है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक

प्रकाश एवं विकास
MPMKVVCL
मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड

ने इस एप की विशेषताएं बताते हुए कहा है कि इससे बिजली खपत प्रोफाइल और अकाउंट की जानकारी देखने की सुविधा रहेगी। साथ ही उपभोग पैटर्न की जानकारी भी मिलती रहेगी। कंज्यूमर आईडी को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से जोड़कर एप का उपयोग किया जा सकेगा। इससे एक ओर जहां बिजली कटौती की सूचनाएँ प्राप्त होती रहेंगी, वहीं उपभोक्ता को ?अपने मीटर की स्थिति की जाँच करने में भी आसानी होगी। उपभोक्ता द्वारा कितनी बिजली उपयोग की गई है इसकी रिपोर्ट देखने के साथ ही स्मार्ट मीटर एप के जरिए उपभोक्ता सेवा केन्द्र 1912 से संपर्क करने की सुविधा भी मिलेगी। एप को डाउनलोड करने के लिए सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर पर जाना होगा इसके बाद सर्च बार में स्मार्ट MPCZ टाइप करना होगा। फिर एप को डाउनलोड और इंस्टॉल करना होगा। जब यह पूरी तरह से इंस्टाल हो जाए तो एप को खोलें और अपनी कंज्यूमर आईडी तथा रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज करें। जैसे ही आप यह प्रक्रिया पूरी करते हैं तो एक ओटीपी आपके मोबाइल पर आएगा, जिसे दर्ज करके एप को लॉगिन किया जा सकेगा। उपभोक्ताओं को इस एप से अनेक लाभ मिल सकते हैं, साथ ही स्मार्टMPCZ एप के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत को बेहतर ढंग से मैनेज भी कर सकते हैं। इस एप के माध्यम से बिजली संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

तलवार लहराना पड़ा महँगा वायरल वीडियो संज्ञान में लेकर अरोपी को तलवार के साथ गिरफ्तार कर निकाला जुलुस

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

अवैध हथियार रखने बेचने वालोँ तथा किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की मंशा से खुलेआम अवैध प्रदर्शन व ऐसे अपराधो की रोकथाम करने हेतु व बदमाशो की धरपकड के संबंध में पुलिस द्वारा एक्शन लेते हुए दिनांक 17 जून को रात में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था जिसमें एक बदमाश अवैध धारदार तलवार लहरा कर दहशत फैलता हुआ दिख रहा था। वीडियो पर तत्काल संज्ञान लेते हुए टीम गठित कर मुखबिर की सूचना के आधार पर घटना स्थल केवेड के बाग में रात्रि करीबन 3 बजे उस व्यक्ति जिसकी उम्र 35 साल लगभग निवासी तलैया भोपाल धारदार तलवार के साथ मिला पुलिस को देखकर वह बदमाश भागने का प्रयास करने लगा । पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकडा जिसके पास से धारदार तलवार जप्त कर गिरफ्तार किया गया तथा जहाँ पर उसने तलवार लहरा कर दहशत फैलाई वहीं से उसका जुलुस निकाला तथा आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबध्द किया गया।

बालाघाट मे तीन दशक से नासूर बने नक्सलवाद की अब उखड़ने लगी जडे सीमावर्ती जंगलो मे पुलिस ने बिछाया मौत का जाल

नक्सलवादियो के लिए अब सुरक्षित नही रहे जिले के जंगल

ज्ञान चन्द शर्मा /बालाघाट। जिले मे तीन दशक से नासूर बने नक्सलवाद की जडे अब धीरे धीरे उखड़ने लगी है जंगल मे आऊट सोर्स मे फोर्स बढने के साथ ही नक्सली घिरने लगे है जिस जंगल को छग और महाराष्ट्र के नक्सली अपने लिए सुरक्षित ठिकाना मानकर इसे अपनी शरणस्थली बना बैठे थे अब उन्ही जंगलो मे नक्सली लगातार घिरकर पुलिस की गोलियो का निशाना बन रहे है बालाघाट मे जिस जंगल मे ग्रामीणों मे दहशत फैलाकर नक्सली अपना साम्राज्य स्थापित कर चुके थे अब उसी जंगल मे उनके लिए हर राह पर खतरा बढता जा रहा है बालाघाट के जंगल अब नक्सलियो के लिए सुरक्षित नही रहे है लिहाजा ग्रामीणो मे सुरक्षा के प्रति बढते भरोसे ने जंगलो मे खौफ फैला रहे लाल आतंक को कमजोर किया है जबकि लगातार नक्सल प्रभावित क्षेत्रो मे पुलिस की जंगलो मे पकड मजबूत हो रही है लगातार मारे जा रहे नक्सलियो पर पुलिस की गिरफ्त भी बढती जा रही है सितंबर 2023 मे चिचरंगपुर मे एक बडी सफलता हाथ लगने के बाद गिरफ्तार हुए नक्सलियो की संख्या28 पर पहुंच गई है जबकि 19 फरवरी 2025 को हुए एनकाउंटर के बाद अब तक करीब 37 नक्सली मारे जा चुके है ताकत बढाने विस्तार दलम का किया गठन साल 2016 मे नक्सलियो ने कवर्धा के कबीरधाम से विस्तार दलम का गठन कर अपनी ताकत बढाई थी बालाघाट मे फोर्स बढने के साथ नक्सलियो ने अपना रास्ताबदला और कान्हा के घने जंगलो को अपने लिए सुरक्षित ठिकाना बनाया यहा उनकी बढती मौजूदगी के बीच मंडला से डिंडौरी तक नया कॉरीडोर भी तैयार हो गया कम फोर्स का फायदा उठाकर नक्सलियो ने अपना सिर उठाना शुरु किया।

भोपाल में ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला

आंतोन चेखव के नाटक जूलिया की तैयारी जोरों परभोपाल, 20 जून 2025ः आरंभ कल्चर एंड वेलफेयर, भोपाल की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला में रूसी लेखक आंतोन चेखव के प्रसिद्ध नाटक जूलिया की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इस नाटक का मंचन स्वर्गीय गोपालदास गर्ग की स्मृति में किया जाएगा।नाटक का निर्देशन श्री विष्णु गर्ग कर रहे हैं, और इसे 29 जून 2025 को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। आरंभ कल्चर एंड वेलफेयर संस्था द्वारा आयोजित इस प्रस्तुति का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करना और रंगमंच कला को बढ़ावा देना है।दर्शकों के बीच इस नाटक को लेकर उत्साह देखा जा रहा है, और यह आयोजन भोपाल के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होने की उम्मीद है।संपर्कः आरंभ कल्चर एंड वेलफेयर, भोपाल

तारीख- 29 जून 2025

गोटूल- जहां संस्कारों के साथ प्रेम भी जन्म लेता है

दीप्ति बाजपेई जगदलपुर बस्तर

छत्तीसगढ़-जगदलपुर बस्तर की मिट्टी में रची-बसी वह परम्परा है, जो जीवन के हर पहलू को आकार देती है — रिश्तों को भी, जिम्मेदारियों को भी जब जंगल बोलते हैं, परंपराएं जीती हैं - वहां होता है गोटूल बस्तर छत्तीसगढ़ का वह भूभाग, जिसे भारत का हरा दिल कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं। यह केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के त्रिवेणी संगम का नाम है। जहां एक ओर यहां की धरती हरियाली से लबालब रहती है, वहीं दूसरी ओर जनजातीय जीवन के रीति-रिवाज आज भी पूरी गरिमा से जीवित हैं। इन्हीं जीवित परंपराओं में एक है गोटूल। गोटूल कोई साधारण भवन नहीं, यह आदिवासी युवाओं की विश्वविद्यालयनुमा संस्था है, जहां उन्हें जीवन के हर पाठ से परिचित कराया जाता है — संस्कार, अनुशासन, नेतृत्व, सहजीवन, कला, कृषि, और यहां तक कि प्रेम और विवाह के निर्णय तक।

गोटूल की संरचना और उसका स्थान

गांव के किनारे स्थित यह झोंपड़ीनुमा संरचना, स्थानीय संसाधनों से बनाई जाती है — बांस, लकड़ी, मिट्टी, घास और कभी-कभी गोंड या मुरिया शैली की दीवार चित्रकारी से सुसज्जित होती है।इसकी वास्तुकला सरल होती है

यहां न तो चारदीवारी की कठोरता होती है, न ही डिग्री की होड़।

यहां होती है तो बस — लोक चेतना, संवाद, सहयोग, और संस्कृति के रंग।

गोटूल का वातावरण खुला होता है — रात की चांदनी में गीतों की स्वर लहरियाँ, अलाव की गर्मी, युवाओं के ठहाके और बुजुर्गों की कहानियाँ।

कौन रहते हैं गोटूल में?

यह संस्थान मुख्यत: किशोर और युवा लड़के-लड़कियों के लिए होता है।

लड़कों को चेलिक, और लड़कियों कोमोटियारीन कहा जाता है।

वे अलग-अलग कक्षों में रहते हैं लेकिन एक ही गोटूल में सहभागी होते हैं।

यहां वे जीवन के व्यवहारिक पक्षों की शिक्षा पाते हैं, जैसे —

खेती-किसानी और मौसम की समझ

जंगल में रहना, जड़ी-बूटियों की पहचान

पारंपरिक शिल्पकला — जैसे बांस की टोकरियाँ, लकड़ी की मूर्तियाँ

त्योहारों के लोकनृत्य,की जानकारी

सामाजिक विमर्श — जैसे गांव के मुद्दों पर चर्चा और समाधान

आत्मरक्षा और सामूहिक निर्णय क्षमता

गोटूल में प्रेम की अद्भुत परंपरा- एक कंघी से शुरू होती है कहानी

गोटूल की सबसे रोमांचक और भावनात्मक परंपरा है — प्रेम और जीवनसाथी का चुनाव।

जब कोई युवक गोटूल में प्रवेश करता है और शारीरिक, मानसिक रूप से परिपक्व महसूस करता है, तो वह अपने हाथों से बांस की एक सुंदर सी, कलात्मक कंघी बनाता है। यह कंघी केवल सजावटी वस्तु नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व, प्रेम भावनाओं और कलात्मकता का प्रतीक होती है। और जब कोई युवती उस युवक को पसंद करती है, तो वह उसकी कंघी चुपचाप चुरा लेती है। अगर वह उस कंघी को अपने बालों में सजा कर गोटूल में आती है, तो यह संकेत होता है कि उसने उस युवक को जीवनसाथी के रूप में चुन लिया है। इसके बाद दोनों मिलकर गोटूल को सजाते संवारते हैं, आयोजनों में भाग लेते हैं और एक झोंपड़ी को साझा करते हैं। इस दौरान वे सहजीवन, पारिवारिक मूल्यों, शारीरिक समझ, और आपसी संवाद जैसे मुद्दों को व्यवहारिक रूप में सीखते हैं।

यह पूरी प्रक्रिया न केवल सम्मानजनक है, बल्कि अत्यंत खुली, स्पष्ट और सामाजिक रूप से स्वीकृत होती है।

गोटूल के सामाजिक सरोकार: समरसता का प्रतीक

गोटूल जाति, धर्म, वर्ग और लिंग से ऊपर उठकर समानता, सहभागिता और नेतृत्व का मॉडल प्रस्तुत करता है।

लड़के-लड़कियाँ समान अधिकारों के साथ शामिल होते हैं

नेतृत्व का चुनाव सामूहिक होता है, अनुभव आधारित होता है

सभी को सीखने, सिखाने और निर्णय लेने के समान अवसर मिलते हैं

यह संस्था बताती है कि लोकतंत्र और सहअस्तित्व की भावना केवल पाठ्यपुस्तकों में नहीं, मूल्य आधारित जीवनशैली में बसती है।

वर्तमान समय में गोटूल की स्थिति

समय बदला है — मोबाइल, शहरीकरण, स्कूल-कॉलेज, और उपभोक्तावाद ने गोटूल की परंपरा को काफी हद तक ढक दिया है।

आधुनिक समाज की गलतफहमियों ने इसे कई बार %अनुशासनहीनता% की दृष्टि से देखा, जबकि इसका मूल स्वरूप संस्कार और सामूहिक जीवन पर आधारित है। लेकिन बस्तर के कुछ भीतरी गाँवों में आज भी गोटूल की परंपरा जीवित है । त्योहारों के समय गोटूल में लोक कार्यशालाएँ और गीत-नृत्य प्रशिक्षण होते हैं कुछ स्थानों पर गोटूल को सांस्कृतिक केंद्र और शिक्षण-सह-प्रशिक्षण केंद्र के रूप में पुनर्जीवित किया गया है आदिवासी मेले और महोत्सवों में गोटूल की प्रदर्शनियाँ युवा पीढ़ी को आकर्षित कर रही हैं

गोटूल: क्या हम इससे कुछ सीख सकते हैं?

बिलकुल। गोटूल आज की दुनिया को यह सिखाता है कि संवेदनशीलता शिक्षा का मूल है प्रेम एक सामाजिक जिम्मेदारी है, केवल निजी भावना नहीं नेतृत्व, सहभागिता और त्याग मिलकर एक समाज गढ़ते हैं जब रिश्ते टूटते हैं तो हम वेलेंटाइन डे, डेटिंग ऐप्स या काउंसलिंग की ओर भागते हैं — जबकि गोटूल सिखाता है कि रिश्ते आत्मा से बनते हैं, परंपरा से टिकते हैं, और समझदारी से फलते हैं।

गोटूल- एक परंपरा नहीं, एक दर्शन

गोटूल हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है जो परंपरा से जुड़ा हो, और आधुनिकता से संवाद करता हो। अगर शिक्षा व्यवस्था, समाजशास्त्र, यहां तक कि परिवार व्यवस्था में भी गोटूल जैसी प्रणाली से प्रेरणा ली जाए, तो हम अधिक संतुलित, समावेशी और संवेदनशील समाज बना सकते हैं। संस्कृति की यह लौ कभी बुझनी नहीं चाहिए। गोटूल न केवल अतीत है — यह आने वाले भविष्य की भी नींव हो सकता है।

शिक्षा की तरफ़ कदम बढ़ाएँगे, तो भविष्य बदलेगा

शिक्षा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि पूरे समाज के परिवर्तन का मंत्र है। शिक्षा वह दीप है, जो अज्ञानता के अंधकार को चीरकर आशा, आत्मविश्वास और उन्नति का उजाला फैलाती है। जब कोई बच्चा पहली बार किताब हाथ में लेता है, तो वह केवल वर्णमाला नहीं सीखता, वह अपने सपनों की नींव रखता है। हर अक्षर, हर पंक्ति उसके भविष्य की एक सीढ़ी बनती है। यही कारण है कि शिक्षा को एक मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि जीवन का अनिवार्य अस्तित्व माना जाना चाहिए। एक शिक्षित बालक केवल स्वयं का ही नहीं, पूरे समाज का भविष्य होता है तथा एक शिक्षित बालिका,एक शिक्षित पीढ़ी का आरंभ होती है अतः हम ऐसे समझ सकते हैं जहाँ शिक्षा होती है, वहाँ विचार होते हैं। जहाँ विचार होते हैं, वहाँ क्रांति होती है और जहाँ क्रांति होती है, वहाँ समाज जागता है। आज समय की पुकार है कि हम शिक्षा को प्राथमिकता दें...न सिर्फ स्कूलों की दीवारों तक, बल्कि घर-घर तक, खेत-खलिहानों तक, गाँव की चौपाल से लेकर शहर की गलियों तक, क्योंकि जब हम शिक्षा की ओर एक कदम बढ़ाते हैं तो दरअसल हम मानवता की ओर, सम्मान की ओर,और एक सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ते हैं। जब शिक्षा जन्म लेती है, तब विचार अंकुरित होते हैं। विचार जब आकार लेते हैं, तो कलम चलती है..और कलम वह हथियार है जो बिना रक्त बहाए क्रांति लाती है। यह उन शब्दों को जन्म देती है,जो कभी प्रेम बनकर बाँधते हैं, तो कभी आक्रोश बनकर जगाते हैं। कलम केवल शब्द नहीं लिखती — वह क्रांति का बीज बोती है अर्थात साधारण सी दिखने वाली कलम बहुत अनमोल और महत्वपूर्ण होती है..जिस हाथ में पुस्तक होती है, उसी हाथ की कलम समाज की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है कलम में वह ताक़त है जो सिंहासन हिला सकती है और समाज को नई सोच दे सकती है इसलिए जब एक हाथ में किताब और दूसरे में कलम हो तो बदलाव अवश्यंभावी है। वर्तमान अथवा बीते हुए समय में अनेकों युवाओ ने डंडे उठाए..डंडे नहीं, अब कलम उठाओ यही असली संघर्ष है! गलत दिशा की ओर आंख बंद करके डंडे उठाते-उठाते युवा छात्र विद्यार्थीगण बर्बाद हो गये, उनके हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं किंतु उन्होंने डंडे थामे, पत्थर उठाए, और सोच को गिरवी रख दिया। जिस उम्र में आँखों में सपने पलने चाहिए,वहाँ कटुता और उग्रता ने घर बना लिया। कई विद्यार्थी आज आंदोलनों, जातीय झंडों-डंडो में बंटते जा रहे हैं और राजनीतिक रूप से ठगे जा रहे हैं, उन्मादी भीड़ का हिस्सा बनते जा रहे हैं। वो भूल जाते हैं कि जिस हाथ में कलम होनी चाहिए, उन हाथो में डंडे और पत्थर हैं,जब पत्थर उठाता है तो न केवल किताब छूटती है, बल्कि भविष्य भी हाथ से फिसल जाता है। विचारों के युद्ध को भावनाओं की हिंसा से नहीं जीता जा सकता! अब लड़ाई डंडों से नहीं, कलम की ताक़त से होगी क्योंकि कलम सिर्फ़ स्याही नहीं बहाती..यह वह धार है जो मन को बदलती है, प्रश्न खड़े करती है,और उत्तर खोजती है। अब समय है बदलने का! युवाओं को यह समझना होगा कि शिक्षा ही वह साधन है जो संघर्ष को..निर्माण में बदल सकता है। डंडे तोड़ सकते हैं, पर जोड़ नहीं सकते। विचार तब तक ऊँचाई नहीं पाते, जब तक शिक्षित मन साथ न हो। अब समय है — हाथों में किताब हो, आँखों में लक्ष्य हो, और हृदय में समाजिक हित । यही वो लड़ाई है, जिसे जीतकर समाज भी जीतेगा और हर युवा का भविष्य भी बेहतर बन पायेगा। हमें समझना होगा —शिक्षा- संघर्ष का सबसे बड़ा हथियार है, शिक्षा से जुड़ा व्यक्ति भाषा से जवाब देता है, तर्क से विरोध करता है,और विचारों से बदलाव लाता है। कलम से लड़ी गई लड़ाई, इतिहास में सबसे स्थायी क्रांति लेकर आई है एक सबसे बडा उदाहरण...बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने संविधान भी कलम की ताक़त से ही रचा था। युवाओ में अथवा छात्र जीवन में अनुशासन, नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा के गुण समाहित होना परम आवश्यक है.. इतिहास गवाह है दिशाहीन अनुशासन रहित भीड़तंत्र कभी भी स्थाई परिवर्तन नहीं लाते ! डंडा सदैव तोड़ता है, कलम सदा जोड़ती है, डंडा डर पैदा करता है, कलम नवीन सोच पैदा करती है। डंडा शासन थोपता है, कलम दिशा देती है और कलम समाज बदल देती है। वर्तमान समय की मांग है..अब नई क्रांति चाहिए — शिक्षित और अनुशासित क्रांति ! हमें अपने युवाओं से कहना होगा —अब झंडे नहीं, ज्ञान उठाओ। अब शोर नहीं, सोच भरो।अब टकराव नहीं, संवाद तर्क सीखो। हर छात्र को यह समझना होगा की-उसे लड़ना है पर बेरोजगारी से,अन्याय से, अवसरों की कमी से और यह लड़ाई केवल पढ़कर,लिखकर और स्वरोजगारशील सृजनात्मकपूर्ण नवीन वैचारिकता से ही जीती जा सकती है। तो आइए, संकल्प लें —

हम कलम को हथियार बनाएँगे,
हम शिक्षा को अपना मार्ग बनाएँगे,
हम हर विद्यार्थी को बतायेंगे कि
ज्ञान ही असली शक्ति है और कलम ताक़त। आज के विद्यार्थियों और युवा साथियों को यह समझना होगा कि सफलता कोई जादू की छड़ी नहीं है।

यह एक यात्रा है, जिसमें पग-पग पर परीक्षा है लेकिन हर परीक्षा के बाद मिलता है..बेहतर अनुभव, आत्मबल, और सही दिशा। शिक्षा केवल रोज़गार का साधन नहीं..अपितु यह आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान,स्वतंत्रता और जागरूकता की असली कुंजी है।

लेखिका- कु.प्रियंका जाटव
(पीएचडी शोधार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता विचारक व चिंतक)

मप्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का बालाघाट आगमन आज, दो दिवसीय प्रवास पर,अनेक कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

ज्ञान चन्द शर्मा

बालाघाट। मध्यप्रदेश नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार 13 एवम् 14 जून को 2 दिन के बालाघाट प्रवास पर रहेंगे।उनके निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वे आज करीब 9 बजे नागपुर से बाय रोड़ भंडारा तुमसर होते हुए करीब 11.30 बजे बालाघाट जिले की तहसील कटंगी में पहुंचकर जनसामान्य से भेंट करेंगे। इसके पश्चात वारासिवनी में जनसामान्य से भेंट कर करीब 2.30 बजे बालाघाट के सर्किट हाऊस पहुंचेंगे। जहां पर 3बजे पत्रकारवार्ता करेंगे और 4 बजे संगठन सृजन अभियान के तहत् जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल होंगे।शाम 6 बजे बालाघाट से बैहर के लिए प्रस्थान कर रात्रि बैहर रेस्ट हाउस में विश्राम करेंगे। श्री सिंघार शनिवार 11 बजे बैहर से परसवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां पर संगठन सृजन अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।इसी तरह करीब 2 बजे बैहर में तथा बैहर से सालेटेकरी होते हुए करीब 5 बजे लांजी पहुंचकर संगठन सृजन अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।तत्पश्चात शाम 7.30 बजे किरनापुर पहुचेंगे तथा करीब 9.30 बजे किरनापुर से प्रस्थान करेंगे।

जन अधिकार मोर्चा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नाम सौंपा ज्ञापन – EWS आरक्षण शीघ्र लागू करने की मांग

[बस्तर], छत्तीसगढ़। आज जन अधिकार मोर्चा के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों एवं अभ्यर्थियों को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने हेतु एक ज्ञापन मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय के नाम, जिला कलेक्टर कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि केंद्र सरकार द्वारा जनवरी 2019 में 103वें संविधान संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10त्न आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिसे देश के लगभग सभी राज्यों में लागू किया जा चुका है। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य में यह आरक्षण 7 वर्ष बीतने के बाद भी लागू नहीं हुआ, जिससे यहां के ईडब्ल्यूएस वर्ग के छात्र और अभ्यर्थी शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में अपने अधिकार से वंचित हैं।

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि-

1.राज्य सरकार द्वारा ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र तो बनाए जा रहे हैं, लेकिन उन्हें किसी भी प्रवेश, परीक्षा या भर्ती प्रक्रिया में मान्यता नहीं दी जा रही है।

2.स्कूलों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश से लेकर शासकीय भर्तियों तक, ईडब्ल्यूएस वर्ग को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है।

3.इससे छात्रों में निराशा, मानसिक दबाव और असमानता की भावना बढ़ रही है।

बार-बार आवेदन एवं निवेदन के बावजूद सरकार द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे युवाओं में गहरा आक्रोश है। जन अधिकार मोर्चा ने स्पष्ट किया कि यह मांग न केवल संवैधानिक अधिकार है, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर की बुनियादी अवधारणा से जुड़ी हुई है। यदि राज्य सरकार इस ओर शीघ्र ध्यान नहीं देती, तो ईडब्ल्यूएस वर्ग के छात्र एवं अभ्यर्थी राज्यव्यापी जन आंदोलन शुरू करने के लिए विवश होंगे।

इस अवसर पर उपस्थित रहे-

— [कर्मवीर सिंह जादौन], जन अधिकार मोर्चा

— [विपिन कुमार तिवारी,विनय कुमार मंडल,रवि तिवारी,जयंत राम साहू, एस एल श्रीवास्तव, सतेंद्र गौतम]

— बड़ी संख्या में छात्र, अभ्यर्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता

सम्पर्क हेतु-
[कर्मवीर सिंह जादौन]
मोबाइल- [7974807900]

विज्ञान आश्रम कसेकेरा में लाईब्रेरी का उद्घाटन

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के अंतर्गत आने वाले वनांचल ग्राम कसेकेरा में दिनांक 15/06/2025 को एक लाईब्रेरी का उद्घाटन रायपुर और बिलासपुर दोनों संयुक्त जिले के संभाग आयुक्त श्री महादेव कांवरे साहब के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व संभाग आयुक्त एवं वर्तमान जांच आयुक्त छत्तीसगढ़,श्री दिलिप वासनिकर साहब भी मौजूद थे। पूर्व आईएएस अधिकारी एवं बहुजन विचारक, समाजसेवी श्री विश्वास मेश्राम साहब ने अपने संपूर्ण सर्विस काल के दौरान समाज के सभी युवा वर्ग के विद्यार्थियों के दिमाग में प्राकृतिक रुप से वैज्ञानिक चेतना को विकसित करने और अंधविश्वास तथा पाखंड वाद के समूल खात्मे के अभियान पर कार्य करते हुए सेवानिवृत्त हुए , इसके पश्चात उक्त गांव कसेकेरा में सात एकड़ कृषि भूमि क्रय करके वहां विज्ञान आश्रम की स्थापना पांच वर्ष पहले किये थे।

वनांचल वाले इस बेहद पिछड़े इलाके में विज्ञान आश्रम स्थापित करके मेश्राम जी के द्वारा वहां की नई पीढ़ियों के लिए बेहद फायदेमंद भविष्योन्मुखी काम किया जा रहा है। इस विज्ञान आश्रम के माध्यम से गांव के आस-पास के लोगों की वैज्ञानिक चेतना , तर्कशीलता और संविधान जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है साथ ही अंधविश्वास, पाखंडवाद और रुढ़िवादी सोच को खत्म करने का महत्वपूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। इस उद्देश्य को लेकर इस आश्रम में विगत पांच वर्षों के दौरान विभिन्न प्रकार के आयोजन किया जा चुका है। इसमें छत्तीसगढ़ व भारत भर से विभिन्न विद्वान समय-समय पर शिरकत करते रहे हैं। साहित्य के अध्ययन के बिना किसी भी व्यक्ति का मानसिक विकास कभी भी संभव नहीं हो सकता और समाज में कोई वैचारिक बदलाव नहीं हो सकता अत: साहित्य ही इंसान को सही मायनों में इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस बात को विश्वास मेश्राम अच्छी तरह से समझते हैं अत: अगले क्रम में इस विज्ञान आश्रम में एक भव्य पुस्तकालय स्थापना का संकल्प लेकर साथियों के समक्ष प्रस्ताव रखे थे।इस समाज हित के कार्यक्रम के लिए सहयोगियों ने उत्साह दिखाया।इसके पश्चात इस लक्ष्य को लेकर काम शुरू कर दिया गया। उक्त आश्रम में मेश्राम जी के समर्पित प्रयासों से कुछ माह में ही लगभग दो हजार पुस्तकों का संग्रह हो गया। इसके पश्चात दिनांक 15/06/2025 दिन रविवार को उस लाइब्रेरी का उद्घाटन समारोह पूर्वक किया गया। लाइब्रेरी का नाम कबीर, फुले, बिरसा के नाम पर रखा गया है यह भी अपने आप में इस मिशन की स्पष्ट रुप से आइडियोलॉजी को स्पष्ट करती है। मेश्राम साहब ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह विज्ञान आश्रम सभी के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस लाइब्रेरी की स्थापना से विशेष रूप से इस क्षेत्र के सभी आयु वर्ग के छात्र - छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में ग्रंथों के अध्ययन का लाभ मिलेगा और भविष्य में इस क्षेत्र से भी आइएस, आइपीएस अफसरों व डाक्टर, इंजीनियरों को निकलते हुए देखेंगे।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय,दिल्ली से पधारी प्रोफेसर हेमलता महेश्वर जी ने इस पिछड़े हुए वनांचल गांव में इस तरह की वैज्ञानिक चेतना, तर्कशीलता को विकसित करने वाले प्रयास को देखकर खुशी जाहिर करते हुए मेश्राम जी के समर्पण और दूरदर्शितापूर्ण पूर्ण इस कार्य को एतिहासिक बताती हुई उनको साधुवाद दिया। महेश्वर मैडम ने तीन प्रतिष्ठित मासिक बाल पत्रिकाओं को आजीवन इस लाइब्रेरी को प्रदान करने की घोषणा भी की।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि संभाग आयुक्त श्री महादेव कांवरे साहब ने विज्ञान आश्रम की लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन किया तत्पश्चात् मेश्राम जी ने कांवरे साहब को पूरी लाइब्रेरी घुमाकर दिखाते हुए पुस्तकों के बारे में जानकारी दिया। कांवरे साहब ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में वैज्ञानिक सोच को विकसित करना बहुत मुश्किल काम है, फिर भी मेश्राम जी द्वारा इस घोर ग्रामीण क्षेत्र में विज्ञान आश्रम स्थापित करके अब एक भव्य लाइब्रेरी की स्थापना किया जाना बहुत सराहनीय कदम है।श्री कांवरे साहब ने भविष्य में इस लाइब्रेरी को और भी आधुनिक रुप देने के लिए पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। कांवरे साहब की इस घोषणा का उपस्थित सभी आगंतुक श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। संभाग आयुक्त श्री कांवरे साहब ने कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित सैकड़ों श्रोताओं को संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया। ज्ञात हो कि श्री कांवरे साहब भी बस्तर के घोर वनांचल के ऐसे ही पिछड़े और अभावग्रस्त क्षेत्र से ही संघर्ष करके इस उच्च पद पर पहुंचे हैं और देश की सेवा कर रहे हैं।यह आम युवाओं के लिए एक प्रेरणा दायक मिशाल है। इस उद्घाटन समारोह में शामिल अनेक विद्वान अतिथि वक्ताओं ने अपने -अपने उद्बोधन में लाइब्रेरी स्थापना की महत्ता और उसके गहन सामाजिक सरोकारों के संबंध में विस्तार से समझाया,साथ ही इसके भावी सुखद जन हितकारी परिणाम को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में मूकनायक छत्तीसगढ़ स्टेट संपादक लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत द्वारा कुछ क्रान्तिकारी कविताओं का पाठ किया गया।

इस अवसर पर ने एल उमाकांत , सुधीर रामटेके, प्रभाकर खोबरागड़े, विश्वास मेश्राम, कल्याण मुखर्जी,पूनम लाला, दिलीप वासनिकर,डां जे,के,सहारे आदि वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

पूर्व संभाग आयुक्त एवं वर्तमान जांच आयुक्त श्री दिलीप वासनिकर ने संविधान की पुस्तकें लाइब्रेरी के लिए भेंट किया ।

कार्यक्रम में सरस्वती उमाकांत, जी,डी,राउत, राकेश बंबार्डे, वासुदेव लव्हात्रे, शारदा लव्हात्रे, लखन सांगोड़े, रानू सांगोड़े, सेलों रीटा सांगोड़े , शालिनी टेम्बुरकर, जय टेम्बुरकर , आरती सिंघ, विनितोष बाला, स्वाति रात्रे,मुकेश कुमार रात्रे, म्रिणाल टेम्बर, सिद्दार्थ मेश्राम , उदय करात, विदिशा बाला, उषा मेश्राम, डां राजकुमार टंडन, डोमन सिंह टंडन, मनोज कुमार नायक, किशोर लाला, देवानंद वेदव्यास, खेमदास मानिकपुरी, अरविंद रावल, डां यशवंत कुमार सोना, खेमचंद चक्रधारी, स्वाति मेश्राम, सीमा राहुल, नोहर चक्रधारी, रत्न गोंडाने आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रकाश निगम ने किया और डां स्नेहलता हूमने ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

खूब पढ़ो, आगे बढ़ो और राज्य का गौरव बनो : साय

साय कैबिनेट की बैठक कल

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

प्रदेश में नए शिक्षा सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूलों की घंटी फिर से गूंजने लगी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्कूली बच्चों को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'खूब पढ़ो, आगे बढ़ो और छत्तीसगढ़ का गौरव बनो।'मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से कहा है कि नई किताबों की खुशबू, नई कक्षा का उत्साह और नए सपनों के साथ एक नई शुरुआत हो रही है। आज का यह दिन हम सभी के लिए विशेष है। उन्होंने स्कूली बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़िए, जिज्ञासा के साथ प्रश्न पूछिए, उत्तर खोजिए और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहिए। श्री साय ने कहा, 'हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई शिक्षा नीति के संकल्पों के अनुरूप व्यापक बदलाव कर प्रदेश के भविष्य को संवारने का प्रयास किया है। आप निश्चिंत होकर पढ़ाई में मन लगाइए, बाकी की चिंता मुझ पर छोड़ दीजिए। आपकी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

नवभारत ब्यूरो। रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 18 जून को सुबह दस बजे राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री के निवास कार्यालय में होगी। कैबिनेट की बैठक में प्रदेश में चालू खरीफ सीजन में मानसून की स्थिति, खरीफ फसलों की बुआई और खाद-बीज की उपलब्धता की समीक्षा की जाएगी। कैबिनेट में प्रदेश में जमीन की सरकारी कीमत(नई कलेक्टर गाइडलाइन दर) के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। वर्तमान में वर्ष 2017 की कलेक्टर गाइडलाइन दरें प्रभावशील हैं। कैबिनेट में हाल ही में सुकमा जिले में हुए नक्सली हमले में शहीद एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे के परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति के प्रस्ताव का अनुमोदन किया जा सकता है। इसके अलावा विभागीय प्रस्तावों पर मंजूरी के साथ ही कुछ अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जा सकते हैं।

चार हजार स्कूल बंद करेस अउ,
हजारों सिक्षक के भर्ती रोकेस।
खूब पढ़ो अउ आगू बढ़ो,
राज्य गौरव बनो तैं बोलेस।।
आम जनता हा सब समझत हे,
दोगलाई तोर ये चाल ला।
बेरोजगार मन के अब आही,
नइ रोक सकस भूचाल ला।।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

भोपाल। राजधानी भोपाल में 8 जून को 22 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, चार आरोपी फरारखबर भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र में 8 जून 2025 को रात एक 22 वर्षीय युवक शिवम कलाम की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार,

नर्मदापुरम का निवासी शिवम अपनी कसमवाली बहन से मिलने उसके घर पहुंचा था, जहां तीन अन्य लोगों ने उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल शिवम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने बताया कि हमले में शामिल तीन पुरुषों के साथ एक महिला भी मौजूद थी, जो सभी घटना के बाद फरार हो गए हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। शिवम की कसमवाली बहन गोविंदपुरा में एक किराए के मकान में रहती है। अतिरिक्त डीसीपी (जोन-2) महावीर सिंह मुजाल्दे ने इस घटना की पुष्टि की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

धर्मपुरा में मिताली ने किया वार्डवासियों को परेशान

- बांस का पेड़ नहीं कटवाने को लेकर मिताली के साथ हुआ बहस, वार्डवासियों ने किया इसका विरोध
- मिताली ने वार्डवासियों को दिया 112 पलिस की धमकी
- मिताली के गुनाह की सजा कब मिलेगा
- मिताली के गुनाह का कब होगा अंत

जगदलपुर। जगदलपुर शहर के धर्मपुरा नं. 1 में गुरु गोविन्द सिंह वार्ड क्रमांक – 36 का गंभीर मामला सामने आया है। वार्डवासियों ने मिताली के साथ बातचीत किया गया। अपने घरों के पीछे मिताली ने बांस का पेड़ लगा दिया है जिससे हम सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बांस का पेड़ के ऊपर पक्षियों का बैठना। पक्षियों का हगना हमारे घर के अंदर और छत के ऊपर गिरता है जिससे घर के अंदर और बाहर बदबू मारता है। घर में बैठना और खाना खाने नहीं हो पा रहा है। इंसान – इंसान का दर्द नहीं समझेगा तो कौन समझेगा। हमें ये सब चीजों से बहुत परेशानी हो रही है। इस वजह से बीमार भी हो सकते है। तत्काल बांस का पेड़ कटवाया जाए। हमारी परेशानी को दूर किया जाए। सभी वार्डवासियों का जमीन मिताली ने कब्जा कर रखा है। हम सभी इसके खिलाफ कई बार आवाज उठाए। तब भी मिताली के ऊपर आज तक कार्यवाही नहीं हुआ है। हम सभी वार्डवासी अपना हक चाहते है। बांस का पेड़ कट जाए और हमारी जमीन मिल जाए। मिताली ने वार्डवासियों को गाली – गलौज देकर अपमानित किया। मिताली ने 112 पुलिस की धमकी वार्डवासियों को दिया। मिताली ने वार्डवासियों से कहा कि मैं किसी से नहीं डरता, जो करना है कर लो। मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता। वार्डवासी हतास होकर जिला प्रशासन से मदद की लगाई गुहार। वार्डवासियों का अनुरोध है कि मिताली के ऊपर कडी़ से कडी़ कार्यवाही की जाए।

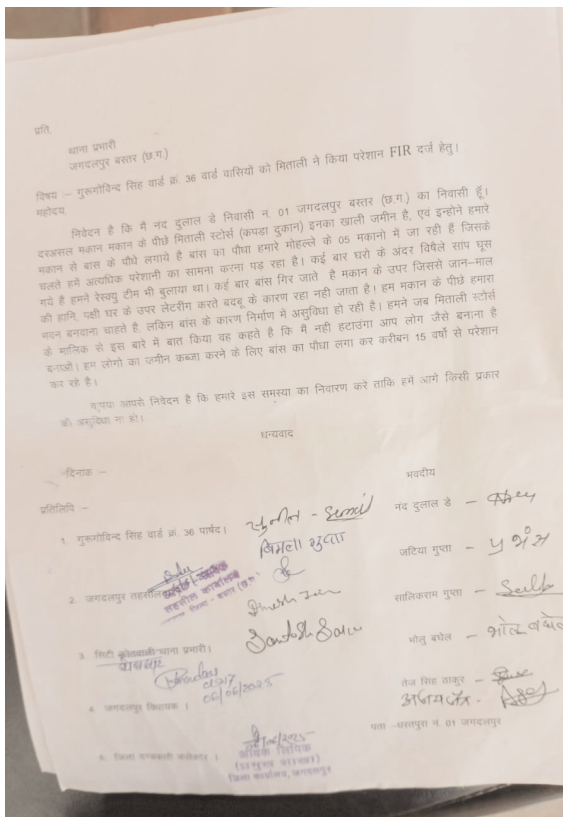

राजेश सतांकरः DWP इंसाइडर पावरलिस्ट के टॉप 50 ग्लोबल वेडिंग फोटोग्राफर्स में शामिल।

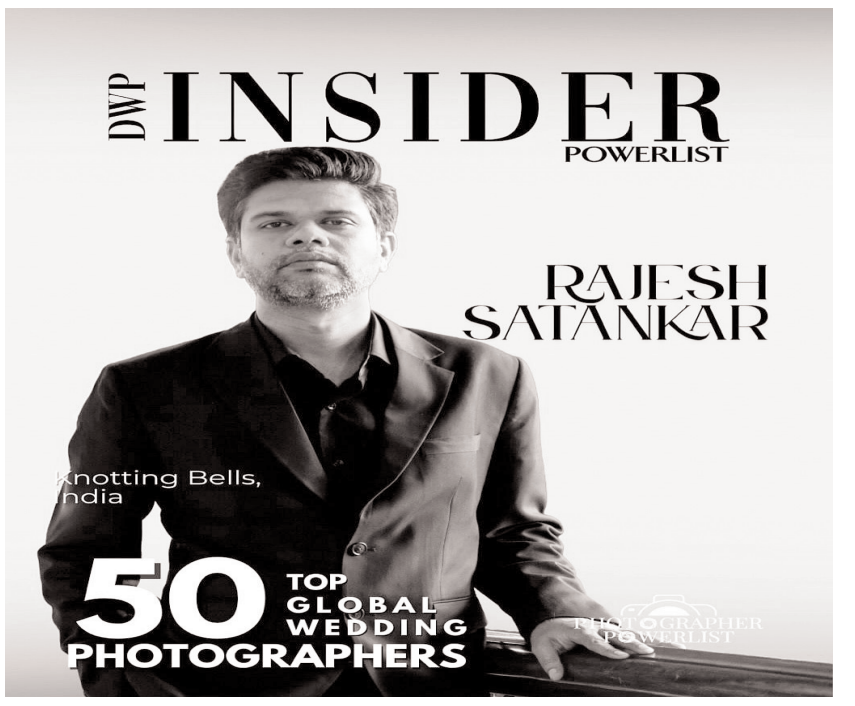

भोपाल. राजेश सतांकर, एक प्रतिभाशाली भारतीय वेडिंग फोटोग्राफर, हाल ही में DWP (वेडिंग फोटोग्राफी) इंसाइडर पावरलिस्ट के टॉप 50 ग्लोबल वेडिंग फोटोग्राफर्स की सूची में शामिल हुए हैं। यह सम्मान उनके असाधारण कौशल, रचनात्मकता, और वेडिंग फोटोग्राफी में उनके योगदान को दर्शाता है। नॉटिंग बेल्स, इंडिया के साथ जुड़े राजेश ने अपनी अनूठी शैली और भावनात्मक रूप से समृद्ध तस्वीरों के माध्यम से वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाई है।राजेश की फोटोग्राफी में हर फ्रेम में प्यार, खुशी, और सांस्कृतिक गहराई झलकती है, जो उन्हें अन्य फोटोग्राफर्स से अलग करती है। उनकी कला न केवल जोड़ों के विशेष क्षणों को कैद करती है, बल्कि उन यादों को हमेशा के लिए संजोए रखती है। डब्ल्यूपी इंसाइडर पावरलिस्ट में शामिल होना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो उनकी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।इस उपलब्धि के साथ, राजेश सतांकर ने भारत को ग्लोबल वेडिंग फोटोग्राफी के नक्शे पर और मजबूती से स्थापित किया है। फोटोग्राफी के शौकीनों और नवदंपतियों के लिए, वह प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे, जो उनकी यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

घायल अमन नामदेव के परिजनों से मिले मंत्री दिलीप जायसवाल।

तत्काल 50 हजार की सहायता, 1 लाख की और मदद का आश्वासन

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर / कोतमा। हाल ही में कोतमा क्षेत्र में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में घायल हुए युवा अमन नामदेव के परिवार को राज्य शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना उन्हें भोपाल में कैबिनेट बैठक के दौरान प्राप्त हुई, और कोतमा लौटते ही उन्होंने अमन नामदेव के निवास जाकर परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री जायसवाल ने तत्काल 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता परिजनों को दी और साथ ही स्वेच्छानुदान मद से 1 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता देने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि अमन का इलाज जबलपुर में जारी है, और मैं ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। परिवार को किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे।

प्रशासन को दिए निर्देश- मंत्री जायसवाल ने स्थानीय प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि कोतमा क्षेत्र में संचालित सभी ढाबों का संचालन निर्धारित समय तक

ही हो और जहां भी अवैध गतिविधियां पाई जाएं, वहां सख्त कार्रवाई की जाए।

सोशल मीडिया पर अफवाहों से बचें-

- मंत्री ने जनता से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की अफवाह न फैलाएं, जिससे शहर का सौहार्दपूर्ण माहौल न बिगड़े।
- यह हमारा शहर है, और इसकी शांति बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।
- अपराधियों पर सख्त कार्रवाई का वादा-
- मंत्री दिलीप जायसवाल ने स्पष्ट रूप से कहा-
- अपराधी चाहे जो भी हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अगर कोई कोतमा का शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा, तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
- कोतमा की जनता में मंत्री की इस संवेदनशीलता और त्वरित पहल की सराहना हो रही है। अब सभी को अमन की जल्द स्वस्थ होने की कामना है और न्याय की प्रतीक्षा।

राह-वीर योजनाः सड़क हादसों में जान बचाने वालों को मिलेगा 25 हजार इनाम

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले आम नागरिकों को सम्मानित करने के लिए राह-वीर योजना शुरू की है. इस योजना के तहत, गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर जान बचाने वाले को 25,000 का नकद पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र दिया जाएगा. इसके लिए केन?द्र सरकार ने राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार करें ताकि अधिक लोग आगे आएं और दुर्घटना में घायल लोगों का जीवन बचाने में महत?वपूर्ण भूमिका निभाएं. आमजनों को नगद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने और उनका मनोबल बढ़ाने तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने के लिए दूसरों को प्रेरित करने की आवश्यकता है. सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राह-वीर योजना अंतर्गत् कोई भी व्यक्ति जो गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित व्यक्ति की तत्काल सहायता करके दुर्घटना के स्वर्णिम समय (गोल्डन ऑवर) के भीतर अस्पताल व ट्रामा केयर सेंटर में पहुंचाकर चिकित्सा उपचार हेतु पहल कर जान बचाई हो, ऐसे नेक व्यक्ति को पुरस्कार प्रदान करने की योजना का अनुमोदन किया गया है. इसी योजना को राहवीर योजना कहा जाता है. इसका उद्देश्य आम जनता को आपातकालीन स्थिति में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने के लिए प्रेरित करना, निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए दूसरों को प्रेरित करना है.

गोल्डल ऑवर- मोटरयान अधिनियम की धार के अनुसार गोल्डन ऑवर का अर्थ है किसी दर्दनाक चोट के बाद एक घण्टे तक चलने वाली अवधि जिसके दौरान तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करके मृत्यु को रोकने की सबसे अधिक संभावना होती है. इसके साथ ही प्रत्येक नगद पुरस्कार के साथ प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया जाएगा प्रत्येक मामले में पुरस्कार के अलावा सबसे योग्य राह वीर एक नेक व्यक्ति जिन्हें पूरे वर्ष के दौरान सम्मानित किये गए सभी व्यक्तियों में से चुना जाएगा इनमें 10 राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार होंगे और उन्हें एक लाख रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा.

गिट्टी के ढेर में मिला नवजात शिशु, ग्रामीणों ने तुरंत पहुंचाया अस्पताल नहीं बच पाई जान।

स्थान - घोड़ा जमुनिया, देवरी तहसील, जिला रायसेन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी। तहसील के अंतर्गत आने वाले गांव कोड़ा जमुनिया में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गांव के एक मार्ग पर गिट्टी के ढेर में एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा मिला। सुबह टहलने निकले कुछ ग्रामीणों ने बच्चे को देखा और दांग रह गए पास जाकर देखा, बच्चा गंभीर हालत में था। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, देवरी पहुँचाया देवरी से उदयपुरा इलाज के लिए भेजा जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। कोई महिला मानसिक, सामाजिक या पारिवारिक दबाव में है, तो सरकारी शिशु गृह या पालन केंद्र जैसे विकल्पों का सहारा लें। नवजातों को इस तरह त्यागना न केवल अमानवीय है, बल्कि दंडनीय अपराध भी।

बरेली बनेगी नगर पालिका, उदयपुरा विधानसभा को मिली 138 करोड़ की सौगात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भव्य स्वागत।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बरेली। तिरंगा यात्रा में शामिल होने पहली बार बरेली पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगर के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने कहा कि बरेली नगर परिषद को नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा और नर्मदा तटों सहित धार्मिक स्थलों का व्यापक विकास होगा। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। उन्होंने मंच से बिजली बिलों में राहत, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की बात कही।

जिला बनाने की पुरज़ोर मांग: जनता की लंबे समय से चली आ रही माँग को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बरेली को अलग जिला बनाने की दिशा में गंभीरता से विचार कर रही है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास के सभी मानकों को पूरा कर जल्द ही यह मांग पूरी की जा सकती है।

मुख्य घोषणाएं व योजनाएं-

- बरेली को नगर पालिका का दर्जा मिलेगा।
- नर्मदा तटों का सौंदर्यीकरण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।
- 108 करोड़ की लागत से सड़क और पुलिया निर्माण की परियोजनाएं।
- 45 वार्डों में पेयजल योजना, 138.96 करोड़ रुपये की लागत से।
- तीन साल तक बिजली बिलों में छूट।
- स्वास्थ्य सुविधाएं, स्कूल, कॉलेज और सीसी सड़कें बनेगीं।
- नवीन अस्पताल, खेल परिसर और छात्रावास की स्थापना।
- जनता का जबर्दस्त स्वागत
- तिरंगा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। हजारों लोगों की भीड़ ने भारत माता की जय के नारों से माहौल को देशभक्ति से भर दिया। मंच पर सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा-

- मध्यप्रदेश देश का नंबर वन राज्य बनेगा। जनता की अपेक्षाओं पर सरकार पूरी तरह से खरी उतरेगी। विकास की दौड़ में कोई गांव या कस्बा पीछे नहीं रहेगा।
- यह यात्रा सिर्फ एक सरकारी औपचारिकता नहीं बल्कि एक जन-संवाद और विकास यात्रा के रूप में सामने आई। मुख्यमंत्री के इस दौरे ने बरेली के लोगों में नई उम्मीदें जगाई हैं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)